

संपादकीय

स्रोत हो सुरक्षित

ताकि गलत कामों का पर्दाफाश हो सके

पत्रकारिता के पेशे में मीडियाकर्मी का नैतिक दायित्व होता है कि वह किसी खोजपूर्ण खबर में सहायक स्रोत की सुरक्षा और विश्वास को कायम रख सके। अपने गोपनीय स्रोत की सुरक्षा का वायदा सुनिश्चित करना महज एक पेशेवर शिष्टाचार नहीं है, सही मायने में यह खोजी पत्रकारिता को बुनियाद भी है। यदि जनहित के लिए महत्वपूर्ण गोपनीय सूचना देने वाले का भरोसा खत्म होगा तो भ्रष्टाचार और जन-विरोधी कार्यों में लिस लोगों के गलत कार्यों का खुलासा करने वाले लोग आगे नहीं आएंगे। यानी व्हिसलब्लोअर किसी गंभीर कदाचार आदि के मुद्दे पर चुप्पी साध सकते हैं।

यानी व्हिसलब्लोअर किसी गंभीर कदाचार आदि के मुद्दे पर चुप्पी साध सकते हैं। यदि सूचना स्रोत की गोपनीयता भंग होती है, तो गलत कामों के वास्तविक तथ्य कभी भी सामने नहीं आ पाएंगे। बहुत संभव है कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोकतंत्र के हित में, जनता को जानने योग्य जरूरी जानकारी से वंचित होना पड़ सकते हैं। इस विषय के महत्व की गंभीरता के चलते ही देश के सर्वोच्च न्यायालय में देश के ‘डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट’ यानी डीपीडीपी को चुनौती दी गई।

मीडिया की स्वतंत्रता पर आंच आ सकती है। सुप्रीम कोर्ट में इस संदर्भ में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद, कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस बाबत जवाब मांगा है। उल्लेखनीय है कि कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 17 नवंबर तक की है।

इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि आज की तेजी से डिजिटल होती दुनिया में निजता की सुरक्षा बनाये रखना बहुत आवश्यक है। निस्संदेह, नागरिकों को उनकी निजी जानकारी का दुरुपयोग होने से बचाया जाना बेहद जरूरी है। साथ ही यह भी जरूरी है कि निजता की सुरक्षा के लिये बनाया गया कोई कानून प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सत्ताधीशों के लिये ऐसा जरिया नहीं बन जाना चाहिए, जो तथ्यों की तलाश व जांच-पड़ताल में बाधक बने। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शासन-प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और कॉर्पोरेट में होने वाली गड़बड़ियों की पड़ताल अकसर ऐसे लोगों पर निर्भर करती है, जो बड़े निजी जोखिम को उठाकर भी वास्तविक तथ्य देश व समाज हित में बताने को राजी होते हैं। ऐसे में यदि पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना उनकी पहचान उजागर हो जाती है तो पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर इसका व्यापक प्रतिकूल असर पड़ सकता है। फिर जोखिम उठाकर सूचना देने वाले लोग, ऐसा करने से करारने लगते हैं। इससे जुड़ा एक वास्तविक पहलू यह भी है कि अपने स्रोत की सुरक्षा का अधिकार पत्रकारों को बिना किसी जवाबदेही के काम करने की छूट नहीं देता है। लेकिन यदि कोई अन्वावाद सामने आता है तो उसे स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए। उसका सार्वजनिक होना बेहद जरूरी है। वहीं उसकी स्वतंत्र न्यायिक निगरानी होनी चाहिए। ऐसे में न्यूज़रूम के रिपोर्टों तक बिना किसी रोक-टोक के पहुंच होने से, स्रोत की सुरक्षा और जनता के जानने के अधिकार को नुकसान पहुंच सकता है। देश की शीर्ष अदालत से उम्मीदी की जाती है कि बहुत सावधानी से निजता और प्रेस की आजादी के बीच संतुलन बनाया गया। यदि वास्तविक पत्रकारिता के कार्यों के लिये स्पष्ट छूट दी जाती है, और साथ ही गोपनीय स्रोत के उजागर होने से रोकने के लिये सुरक्षा उपाय भी हों, तो इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कानून जनहित से जुड़ी रिपोर्टिंग में बाधा न बनेगा।

इन्द्रजीत सिंग

साल 1966 में हरियाणा के गठन के बाद हरित क्रांति को प्रोत्साहन मिला, जिससे कृषि उत्पादन बढ़ा। ग्रामीण आर्थिकी फली-फूली। लेकिन वक्त के साथ इस मॉडल की सीमाएं सामने आयीं। नब्बे के दशक में नयी नीति के बाद कृषि संकट और गहरा गया। आज कृषि क्षेत्र को एक वैकल्पिक विकास मॉडल की ज़रूरत है जो किसान व पर्यावरण हितैषी हो।

वर्ष 1960 के दशक में हरित क्रांति की शुरुआत हुए छह दशक से अधिक समय बीत चुका है। इसी दौर में 1966 में हरियाणा एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। गठन के बाद हरियाणा में बुनियादी ढांचा विकास को प्राथमिकता दी गई व हरित क्रांति को। प्रोत्साहन मिला। इसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन व उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

समय के साथ हरित क्रांति के विकास मॉडल की सीमाएं उजागर होने लगीं। कृष उत्पादन में वृद्धि की संभावनाएं सिमटने लगीं तथा कई तरह के नकारात्मक परिणाम भी सामने आये। असल में तो हरित क्रांति का उद्देश्य ही पर्याप्त भूमि सुधारों के बिना कृषि क्षेत्र व फसलों का बाजारीकरण करना था। ये अलग बात है कि इससे फायदा हुआ। वर्ष 1990 के दशक में नव-उदारवादी और कॉर्पोरेट समर्थक नीतियां अपनाने के बाद कृषि संकट और गहरा गया। आज कृषि क्षेत्र को एक ऐसे वैकल्पिक विकास मॉडल की ज़रूरत है जो

कृषि मॉडल में बदलाव से ही टिकाऊ समाधान

किसानों की आर्थिक स्थिति सुधारने के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण की रक्षा भी कर सके।

रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता और गुणवत्ता पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। भारत के मरुस्थलीकरण एवं भूमि क्षरण एटलस, 2021 के मुताबिक हरियाणा की 3.64 लाख हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि क्षरण व और मरुस्थलीकरण की समस्या से प्रभावित थी। भूजल का तेजी से गिरता स्तर, सिंचाई की दोषपूर्ण पद्धतियां और गोहूँ-धान का एकांगी फसल चक्र कृषि की स्थिरता के सामने गंभीर चुनौती बन गए हैं। इसके अतिरिक्त, गैर-कृषि उद्देश्यों के लिए भूमि अधिग्रहण के कारण खेती का क्षेत्रफल भी घट रहा है। उपजाऊ कृषि भूमि का इस तरह लगातार कम होना खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका के लिए चिंताजनक है।

जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौती कृषि संकट को और गंभीर बना रही है। बेमौसम बारिश, अत्यधिक गर्मी और अन्य चरम मौसमी घटनाओं से फसलों को बार-बार नुकसान हो रहा है। ऐसी परिस्थितियों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की किसानों को राहत देने में प्रभावशीलता पर भी सवाल उठे हैं।

इसके अलावा न्यूनतम समर्थन मूल्य वृद्धि खेती की बढ़ती लागत के अनुरूप नहीं। चौधरी चरण सिंह

ब्राजील और सर्बिया में जनादेश के गहरे निष्कर्ष

भाषा सिंह

लूला की जीत का महत्व सिर्फब्राजील तक ही सीमित नहीं रहेगा, इसका प्रभाव लातिन अमेरिका के देशों की राजनीति पर पड़ेगा, साथ ही अमेरिका और ट्रंप के वर्चस्व को भी चुनौती मिलेगी। लूला की जीत निश्चित तौर पर ब्रिक्स...

लूला की जीत का महत्व सिर्फ ब्राजील तक ही सीमित नहीं रहेगा, इसका प्रभाव लातिन अमेरिका के देशों की राजनीति पर पड़ेगा, साथ ही अमेरिका और ट्रंप के वर्चस्व को भी चुनौती मिलेगी। लूला की जीत निश्चित तौर पर ब्रिक्स को और मजबूत करेगी और विश्व राजनीति को ज्यादा संतुलित करेगी।

अस्सी साल के लूला दा सिल्वा ने एक बार फिर ब्राजील में चुनावी जीत हासिल करके अपना चौथा राष्ट्रपति कार्यकाल सुनिश्चित कर लिया है। उन्होंने जिस तरह से दक्षिणपंथी प्लावियो बोल्सोनारो को हराया, वह अपने आप में रिकॉर्ड है। वह लातिन अमेरिका के सबसे बड़े देश ब्राजील के पहले ऐसे राष्ट्रपति बने जो चुनाव के पहले दौर में पीछे होने के बाद, सेकेंड राउंड में जीत गए। उनकी जीत से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को गहरा झटका लगा है। उधर, सर्बिया में छात्रों ने जिस तरह से चुनावी जीत हासिल करके सत्ता पर कब्जा जमाया है, उसने एक विश्वव्यापी सनसनी पैदा कर दी है। पिछले 12 साल से सत्ता पर काबिज राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच को छात्र आंदोलन से जुड़ी पार्टी स्टूडेंट लिस्ट ने हरा दिया है, और वुचिच ने अपनी हार स्वीकार भी कर ली है। ये दोनों घटनाक्रम ऐतिहासिक हैं और विश्व कूटनीति पर इनका दूरगामी असर पड़ेगा।

सर्बिया में पिछले दो साल से भ्रष्टाचार के खिलाफ छात्रों का जुझारू आंदोलन चल रहा था, जिसे कंट्रोल करने व दबाने की हर संभव कोशिश वुचिच की सरकार ने की, लेकिन फिर ये छात्र स्टूडेंट लिस्ट पार्टी बनाकर चुनावी मैदान में उतरे और मौजूदा राष्ट्रपति को हरा दिया। ब्राजील और सर्बिया की सड़कों पर जश्न का माहौल है, जिसमें बड़ी संख्या में नौजवान शामिल हैं। ब्राजील में लूला ने अपनी जीत के लिए खास तौर से देश के नौजवानों का शुक्रिया अदा करके एजेंडा

माओवादी आ-तंक समाप्त : मोदी

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार 23 अक्टूबर 2026 को बस्तर में राष्ट्रपति का जाना हुआ है। सैकड़ों साल पुरानी ‘मुरिया दरबार’ परंपरा और वहां की कई परंपराओं से राष्ट्रपति का साक्षात्कार होना। हमारी सांस्कृतिक अन्तश्चेतना का प्रतिक्रिब्व है। ये कोई सामान्य बात नहीं है। यह उस संकल्प की परिणति है।

अक्सर कुछ लोग कहते मिल जाते हैं कि भाजपा और मोदी सरकार में क्या हो बदला है? ये इतना सामान्यीकरण करने वाला प्रश्न है। जो किसी के गले नहीं उगता है। कहीं और की बात न करें केवल छत्तीसगढ़ और बस्तर को ही देखें तो हमें पूरी तस्वीर ही अलग दिखाई देती है। भाजपा सरकार ने तय समय पर 31मार्च 2026 को छत्तीसगढ़ समेत देश को सशस्त्र माओवादी आ-तंक से मुक्त कर दिया। बस्तर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह और अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का पहुंचना। ये कोई सामान्य बात नहीं है। ये इतिहास की वो लकीरें है। जो राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा और समृद्धि की संघर्षमय-प्रतिबद्धता की कहानी कहती है। 2024 में जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ये ऐलान किया था। उस समय लोग विश्वास नहीं कर रहे थे। ‘विरोध के लिए विरोध करने वाले’ धड़े, देशवास उड़ा रहे थे। किन्तु जब तय समय सीमा में पेश से माओवादी आ-तंक (नक्सलवाद) समाप्त हो गया तो विरोध करने वाले उग्रवास का पात्र बनकर रह गए। हालांकि ‘अर्बन नक्सली’ और उन्हीं के र-क्कीब ‘दिमागी नक्सली। आज भी बस्तर में आंखें गड़ाए बैठे हैं। किन्तु वो अब कभी भी सफल नहीं हो पाएंगे। क्योंकि पूरा समाज



जाग चुका है।

बस्तर में यही लोकतन्त्र का उदय है। जहां अब लोग निर्भय होकर जीवन जी रहे हैं। राष्ट्रमुख उनके बीच पहुंच रहे हैं। जबकि इसके पहले ‘अर्बन नक्सलियों’ की कमांड से संचालित होने वाले सशस्त्र माओवादी — वहां हिं-सा, रक-‘पात का वीभत्स खेल, रचते थे। ‘जनतावाी’ सरकार के नाम पर भारत के लोकतन्त्र और संविधान को चुनौती देते थे। इन्हें किस विचार और पूर्ववर्ती सरकार का घोषित-अघोषित समर्थन प्राप्त था? क्या ये किसी से छिपा है? लेकिन अब नक्सली नेस्तनाबूद हो चुके हैं। जिन माओवादियों ने सरेंडर किया है। उनके पुनर्वास के कार्यक्रम चल रहे हैं। उनको कौशल सम्पन्न बनाया जा रहा है। मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। ये केंद्र की मोदी और राज्य की साय सरकार ने ही कर दिखाया है। आप इनकी और मुद्दों पर आलोचना कर सकते हैं। लेकिन माओवादी आ-तंक को समाप्त करने का जो साहसिक कार्य भाजपा सरकार ने किया है। वो ‘न भूतो न भविष्यति’ आज भी बस्तर में उड़ाए बैठे हैं।

अब बस्तर में – बस्तर पंडुम हो रहा है, बस्तर

ओलंपिक हो रहा है। पर्यटन का विस्तार हो रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सड़कों का नया जाल बुना जा रहा है। भारत की राष्ट्रपति के तौर पर द्रौपदी मुर्मू का बस्तर पहुंचना भी कोई सामान्य बात नहीं है। उनका राष्ट्रपति बनना भी कोई साधारण बात नहीं थी। ये भी ध्यान रखना चाहिए कि- जनजातीय समाज से आने वाली बेटी ‘द्रौपदी मुर्मू’ को भाजपा ने सर्वोच्च पद राष्ट्रपति की आसंदी तक पहुंचाया है। जबकि कांग्रेस नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन ने- जनजातीय समाज की इसी बेटी के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारा था। वो किसी भी स्थिति में जनजातीय समाज से आने वाली बेटी को राष्ट्रपति नहीं बनने देना चाहते थे। भला, कांग्रेस और इंडी गठबंधन को जनजातीय समाज के विरोध में आने से क्या हासिल हुआ? क्या ये कॉलॉनिअल माईंडसेट नहीं था, जो जनजातीय समाज को कभी भी स्वीकार नहीं करना चाहता है?

वहीं गाहे-बगाहे कुछ लोग भारत के लोकतन्त्र को नसीहतें देते रहते हैं। उपनिवेश की मानसिकता के गुलाम आज भी कहते हैं कि —15 अगस्त 1947 के बाद ही भारत में लोकतन्त्र आया। ऐसे में उन्हें बस्तर के ‘मुरिया दरबार’ को जानना चाहिए। जहां सैकड़ों सालों से लोकतन्त्र और जन-संवाद का अद्भुत उदाहरण मिलता है। सैकड़ों गांवों के मांझी, चाचकी और प्रतिनिधि ‘मुरिया दरबार’ में अपनी बातें रखते थे। क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर गहन, चिंतन और विमर्श करने की परंपरा निर्बाध रूप से जारी है। इसे पूरा समाज एक-दूसरे का पूरक है। भारत के कोने-कोने में ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं। अंतर केवल इतना है कि भारत ने लोकतन्त्र शब्द का झुनझुना नहीं बजाया बल्कि लोकतन्त्र को जीवन में उतारा है। इसे शराब और ऐग्याशी में डूबे एसी कमरों में बैठने वाले

इन क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने की निरंतरता मिल सकती है। चूंकि लूला विश्व व्यापार को डॉलर-मुक्त करने के लिए कोशिश करते रहे हैं। ब्रिक्स के जरिए उन्होंने इसके पक्ष में जबर्दस्त बैटिंग की, अब उनके ये प्रयास और तेज होंगे। इस मांग में चीन व रूस भी ब्राजील के साथ खड़े हैं, इसीलिए उनकी जीत से खलबली मची हुई है। दरअसल, जो लोग विश्व राजनीति के बहुध्रुवीय बनाने की इच्छा रखते हैं, वे लूला की जीत का जश्न मना रहे हैं।

उधर सर्बिया की जीत ने विश्व मानचित्र पर लिख दिया कि छात्रों की राजनीति, उनके आंदोलन कैसे राजनीति में बड़े बदलाव ला सकते हैं। सर्बिया के छात्रों ने दो साल में जैसे राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच को हराया, वह किसी चमत्कार से कम नहीं है। स्टूडेंट लीड पार्टी, जिसका जन्म दो साल से भी कम समय पहले हुआ था, उसने रिकॉर्ड जीत हासिल करके सत्ता के तमाम समीकरणों को बदल दिया है। यह कल्पना करना भी मुश्किल है कि नवंबर 2024 में सर्बिया के नोबी साद रेलवे स्टेशन का शेड गिरने और उससे 16 लोगों की हुई मौत के खिलाफ-जो छात्रों का आंदोलन शुरू हुआ था, उसने इतने जमे-जमाए राष्ट्रपति वुचिच को सत्ता से उखाड़ फेंका और वह भी पूरी तरह से शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के जरिए।

दरअसल, धीरे-धीरे जिस तरह से ये आंदोलन सरकार, सरकारी संस्थाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर खड़ा हुआ, उसने सत्ता परिवर्तन की राह खोली। ये बात याद रखने वाली है कि वुचिच और उनकी सर्बियन प्रोग्रेसिव पार्टी 2012 से सर्बिया की राजनीति में प्रमुख दल रहे हैं। पहली बार उनकी पार्टी सत्ता से इस तरह बेदखल की गई। जिस तरह से पूरे सर्बिया के हर कोने में जीत का जश्न है, युवाओं में उसाह है, वह एक बड़े बदलाव का संकेत दे रहा है। स्टूडेंट लिस्ट के नेता इलिया सरदानोविच ने अपनी पूरी टीम के साथ जिस राजनीतिक परिपक्वता से इस पूरे आंदोलन को शांतिपूर्ण बनाए रखा और बिल्कुल सही समय पर एक राजनीतिक पार्टी का गठन कर इसे एक वैकल्पिक प्लेटफॉर्म में बदला, वह कई देशों में चल रहे युवाओं के आंदोलन को दिशा दे सकता है।

फिलहाल ब्राजील में लूला की जीत और सर्बिया में छात्रों की जीत ने विश्व राजनीति में बड़ी खलबली के संकेत दिए हैं।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ब्यूटी और रील कॉम्पिटिशन, व्रत बाय डिफॉल्ट

मोहल्ले की दूसरी महिलाओं के ब्यूटी टिप्स हासिल करने के लिए उनकी कामवाली बाई को सीक्रेट एजेंट बनाने की मशक़त करनी पड़ेगी। पैसा भी खर्च करना पड़ेगा।

‘सुनते हो! ब्यूटी कॉम्पिटिशन में बस एक दिन रह गया है और अभी बहुत-सी तैयारियां बाकी हैं!’ पत्नी ने हड़बड़ाहट में पति से कहा।

पति बोला, ‘सुनते हो या नहीं, कहने की राजशाही छूट वाले पति अब कहाँ रहे?’ आज के दौर में तो पतियों के पास लाचारी का एकमात्र विकल्प है—‘सब कुछ पूरा सुनाना!’ थोड़ी चुप्पी के बाद पति मधुर स्वर में बोला, ‘भाग्यवान, ये भी तो बताओ कि व्रत के बीच में ब्यूटी कॉम्पिटिशन कहाँ से आ गया?’

धर्मपत्नी बोली, ‘अरे, मैं करवाचौथ का आधुनिक नाम ले रही थी। सच कहूं तो ब्यूटी भी क्या, यह तो मेकअप कॉम्पिटिशन है। पिछले कई वर्षों तक इस आधुनिक नाम का अर्थ नहीं समझ पाई, इसलिए पिछड़ जाएं।’ पत्नी जी आगे फरमाती हैं, ‘करवाचौथ पर पति की लंबी उम्र की कामना तो बाय डिफॉल्ट, यानी विवाह-दर्शन का हिस्सा होनी ही है। यह तो भारतीय संस्कारों में है। ऑटोमेटिक पायलट का बटन भारतीय पत्नियों के हृदयतल में करवाचौथ आते ही अपने आप दब जाता है। मुश्किल है मोहल्ले की औरतों के बीच ब्यूटी कॉम्पिटिशन जीतना। इसका कोई बटन नहीं है।’ पति ने कहा, ‘तुम्हारी तो जीत पक्की है।’

पत्नी बोली, ‘हैं-हैं!’ जीत पक्की... आप कहें की। पिछली कई प्रतियोगिताएं हार चुकी हूं। उधर, हर साल मुकाबला बढ़ता ही जा रहा है। ‘मेकअप पैकेज’ को लेकर मोहल्ले की महिलाओं में शीतयुद्ध चल रहा है। तुम्हें क्या मालूम! खबर हैं कि शहर में करवाचौथ स्पेशल मेकअप के लिए 50 हजार रुपये की एडवांस बुकिंग हो चुकी है। मजबूत मेकअप की कीमत तुम क्या जानो, पति बाबू!’ पत्नी कुछ देर रुकी, फिर बोली, ‘एक काम कर लो। करवाचौथ पर मेरे मिसेज कालीनी की सौंदर्य प्रतियोगिता जीतने की कामना करते हुए एक व्रत तुम भी रख लो। इस दिन तुम और तो कुछ कर नहीं सकते। तुम्हारे यूपीआई और क्रेडिट कार्ड तक पर मेरा ही कब्ज़ा है। पेमेंट भी तुम्हें नहीं करनी है!’ पति ने कहा, ‘हां, रख लेता हूं जी।’ पति ने मन ही मन सोचा कि शायद इसके साथ ही शोले उंडे पड़ जाएं। लेकिन वृत्ति फिर धक्कती हुई बोली, ‘खाली तुम्हारे दंत रखने से यह सौंदर्य प्रतियोगिता नहीं जीत जाऊंगी। मोहल्ले की दूसरी महिलाओं के ब्यूटी टिप्स हासिल करने के लिए उनकी कामवाली बाई को सीक्रेट एजेंट बनाने की मशक़त करनी पड़ेगी। पैसा भी खर्च करना पड़ेगा।’ पति ने कहा, ‘भाग्यवान, सुंदर चेहरे के साथ कितना सुंदर दिमाग भी पाया है!’ पत्नी फिर धधकी, ‘छोड़ो ये चोंचलें! आइडिया दे नहीं सकते, बस मक्खन लगा रहे हैं।’

आखिर में एक काम कर दो—चांद निकलने के वक मेरी रील अच्छी बनवा देना। पिछली बार तुम्हारे चक्र में रील खराब हुई गई थी और तैरी बार आरती उतारनी पड़ी थी। और हां, गाना वही लगातार— ‘गंगा मैया में जब तक के पानी रहे, मेरे सजना, तेरी जिंदगानी रहे।’

साय कैबिनेट में लिया गया निर्णय

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से होगी धान खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में यहां सिविल लाईन स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंत्रिपरिषद ने खरीफविपणन वर्ष 2026-27 में छत्तीसगढ़ प्रदेश के किसानों से दिनांक 15 नवंबर 2026 से धान खरीदी करने का निर्णय लिया है। उक्त अवधि में 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की जावेगी। किसान हित में बड़ा फैसला लेते हुए एग्रीस्टेक आईडी युक्त वित्त वर्ष के पंजीकृत सभी कृषकों को धान विक्रय हेतु मान्य किया है, इन किसानों को पृथक से पंजीयन की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

एग्रीस्टेक में पंजीयन होने के कारण किसानों को धान विक्रय हेतु पृथक से त्र्या पुस्तिका समिति में लाने की आवश्यकता नहीं होगी। डिजिटल क्राप सर्वे के माध्यम धान के रकबे का ऑनलाईन निर्धारण डिजिटल रूप से सुनिश्चित हुआ है। वास्तविक किसानों से धान खरीदी सुनिश्चित करने हेतु बायोमेट्रिक आधारित धान की खरीदी की जावेगी।

किसानों को बेहतर एवं सुगम व्यवस्था प्रदान किये जाने हेतु 360 नये उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किये जा रहे हैं, फ्लस्वरूप इस वर्ष 3100 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान खरीदी सुस्थित की जायेगी। धान खरीदी हेतु समितियों में समुचित व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। मंत्रिपरिषद ने खरीफविपणन वर्ष 2024-25 एवं वर्ष 2025-26 में अतिशेष धान की धान की नीलामी के माध्यम से निराकरण करने के संबंध में मंत्रिमण्डलीय उपसमिति की बैठक के निर्णय का अनुसमर्थन किया है।

मंत्रिपरिषद ने मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान (एम-ऊर्जा) योजना के अंतर्गत घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक बिजली बिल में दी जा रही रियायत को पूर्ववत जारी रखने का निर्णय



लिया है। साथ ही, योजना का लाभ लेने के लिए 400 यूनिट तक मासिक विद्युत खपत की पात्रता अवधि को 30 सितंबर 2026 से बढ़ाकर 31 मार्च 2027 तक कर दिया गया है। इस निर्णय से लगभग 7.25 लाख घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को योजना के तहत बिजली बिल में मिल रही रियायत का लाभ निरंतर प्राप्त होता रहेगा।

छत्तीसगढ़ मंत्रिपरिषद ने बिटुमिन (डामर) की कीमतों में हुई असाधारण वृद्धि को देखते हुए छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अधिकरण के अंतर्गत संचालित तथा लोक निर्माण विभाग अंतर्गत राज्य वित्त पोषित सड़क निर्माण, नवीनीकरण एवं संधारण कार्यों के अनुबंधकों को मूल्य राहत (क्षतिपूर्ति) प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि में अनुबंधकों द्वारा वास्तव में ऋय एवं उपयोग की गई बिटुमिन की मात्रा पर छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अधिकरण के अंतर्गत संचालित कार्यों के लिए कुल 130.88 करोड़ रुपये की राहत राज्य शासन द्वारा बजट से अनुदान के रूप में दी जाएगी।

वहीं, राज्य वित्त पोषित सड़क निर्माण, नवीनीकरण एवं संधारण कार्यों के ऐसे अनुबंध, जिनकी निविदाएं 1 अप्रैल 2026 से पूर्व प्राप्त हुई हैं, उनमें 15 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक ऋय कर उपयोग किए गए बिटुमिन पर भी मूल्य राहत प्रदान की जाएगी। इस पर लगभग 70 करोड़ से 100 करोड़ रुपये तक अतिरिक्त

व्यय का अनुमान है। इस निर्णय से डामरीकरण से संबंधित लंबित सड़क निर्माण कार्यों को गति मिलेगी और उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने में सहायता मिलेगी। साथ ही, भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी।

मंत्रिपरिषद ने राज्य के शासकीय सेवकों एवं उनके आश्रित परिवारजनों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने के महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी है। नई व्यवस्था के तहत शासकीय सेवकों को उपचार के समय अस्पताल में चिकित्सा व्यय का भुगतान स्वयं करने और बाद में प्रतिपूर्ति के लिए लंबी प्रक्रिया से गुजरने की आवश्यकता नहीं होगी। सूचीबद्ध अस्पतालों में उन्हें कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी तथा पूर्व-अनुमोदन और दावों की प्रक्रिया ऑनलाइन एवं डिजिटल माध्यम से की जाएगी। इस निर्णय से विशेष रूप से गंभीर बीमारी और आपातकाल की स्थिति में शासकीय सेवकों एवं उनके परिवारों को तत्काल उपचार के साथ बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी।

मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में अधोसंरचना विकास को योजना, परियोजना तैयारी, गुणवत्ता, निगरानी और संधारण की व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं आधुनिक बनाने के लिए 'मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन-2026' के प्राप्क (मिशन गाइडलाइन्स) को मंजूरी प्रदान की है। मिशन वित्तीय वर्ष 2026-27 से

2030-31 तक पांच वर्षों के लिए संचालित होगा, जिसके लिए कुल 500 करोड़ रूपए, अर्थात 100 करोड़ रूपए प्रतिवर्ष का प्रावधान प्रस्तावित है। लोक निर्माण विभाग इसका नोडल विभाग तथा छत्तीसगढ़ रोड एंड इंफ्रस्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड क्रियान्वयन एजेंसी होगी।

मिशन के तहत प्रदेश का सड़क नेटवर्क मास्टर प्लान तैयार करने, अधोसंरचना की आवश्यकताओं का डेटा आधारित आकलन, परियोजनाओं के सर्वेक्षण एवं DPR की अग्रिम तैयारी, WAMIS और ई-माप पुस्तिका के माध्यम से कार्यों का डिजिटलीकरण, तड्डुर आधारित समेकित नियोजन, गुणवत्ता एवं सड़क सुरक्षा ऑडिट तथा PPP और नवीन वित्तीय मॉडल को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इससे परियोजनाओं की प्राथमिकता वस्तुनिष्ठ आधार पर तय होगी, निविदा से पहले आवश्यक तैयारियां पूरी होने से समय और लागत में होने वाली वृद्धि को कम करने, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधारने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी। मिशन को लागू करने से संबंधित आवश्यक कार्यवाही के लिए 'लोक निर्माण विभाग को अधिकृत किया गया है।

मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में पर्यटन के समग्र विकास के लिए 'मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन' को मंजूरी प्रदान की है।

'पर्यटन से समृद्धि' के ध्येय के साथ मिशन का संचालन अगले 5 वर्षों तक किया जाएगा, जिसके लिए लगभग 500 करोड़ रूपए का प्रावधान प्रस्तावित है। मिशन के माध्यम से पर्यटन स्थलों पर बेहतर अधोसंरचना, कनेक्टिविटी, सुविधाएं, सुरक्षा एवं स्वच्छता विकसित करने के साथ होमस्टे, निजी निवेश और पर्यटन उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे जहां स्थानीय युवाओं, महिलाओं और स्त्र-सहायता समूहों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे वहीं छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी।

मंत्रिपरिषद् ने विशुद्ध रूप से राजनीतिक आंदोलनों से संबंधित 9 प्रकरणों को जनहित में न्यायालय से वापस लिये जाने के लिए उपसमिति की 30 सितंबर 2026 की बैठक में की गई अनुशंसा के अनुसार आगामी कार्यवाही की अनुमति प्रदान की है। मंत्रिपरिषद् ने रायपुर जिले की नगर पंचायत कूरा का नाम बदलकर कुंवरगढ़ करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। छत्तीसगढ़ के 36 गढ़ों में शामिल कुंवरगढ़ अपने प्राचीन मंदिरों, ऐतिहासिक धरोहरों और तालाबों के लिए जाना जाता है। समय के साथ इसका नाम कूरा प्रचलित हो गया था। स्थानीय नागरिक लंबे समय से नगर पंचायत की उसकी ऐतिहासिक पहचान कुंवरगढ़ के नाम से पुनः पहचान दिलाने की मांग कर रहे थे, जिस पर मंत्रिपरिषद द्वारा यह निर्णय लिया गया है।

मंत्रिपरिषद ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में संशोधन को मंजूरी प्रदान की है। इसके तहत राज्य के विशाल कोयला भंडार के मूल्यवर्धित उपयोग और आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने के लिए 1,000 करोड़ रूपए अथवा उससे अधिक निवेश वाली कोल गैसीफिकेशन परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज का प्रावधान किया गया है। मंत्रिपरिषद ने 295 किलोमीटर लंबी कटघोरा-तखतपुर-मुंगेली-कवर्धा-लोक निर्माण विभाग को अधिकृत किया गया है।

मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में पर्यटन के समग्र विकास के लिए 'मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन' को मंजूरी प्रदान की है।

राज्योत्सव 2026: प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में मुख्य अतिथि निर्धारित

राज्य शासन ने जारी किया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्योत्सव 2026 का आयोजन प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में 2 नवंबर को किया जाएगा। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने जिला मुख्यालयों में आयोजित होने वाले एक दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रमों के लिए मुख्य अतिथियों का निर्धारण कर दिया है। इस संबंध में 27 अक्टूबर को आदेश जारी किया गया है। विभिन्न जिलों में राज्य शासन के मंत्री, सांसद और विधायक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार जांजगीर-चांपा जिले में संघ राज्य मंत्री तोखन साहू, बिलासपुर में उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा दुर्ग में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। सरगुजा में मंत्री रामविचार नेताम, खैरागढ़-छुईखदान-गडई में मंत्री दयालदास बघेल, कांकर में मंत्री केदार कश्यप, कोरबा में मंत्री लखन लाल देवांगन, जशपुर में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, रायगढ़ में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, सूरजपुर में मंत्री मती लक्ष्मी राजवाड़े, गरियाबंद में मंत्री टंकुराम वर्मा तथा राजनांदगांव में मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि होंगे।

इसी प्रकार कोरिया में विधायक भैयालाल राजवाड़े, बीजापुर में मंत्री गुरु खुरवंत साहेब, बलौदाबाजार-भाटपारा में सांसद बुजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा में सांसद विजय बघेल, कबीरधाम में सांसद संतोष पाण्डेय, बलरामपुर-रामानुजगंज में सांसद चिंतामणि महाराज, महासमुंद में सांसद मती रूपकुमार, पंचैज का प्रावधान किया गया है। मंत्रिपरिषद ने 295 किलोमीटर लंबी कटघोरा-तखतपुर-मुंगेली-कवर्धा-लोक निर्माण विभाग को अधिकृत किया गया है।

मंत्रिपरिषद ने प्रदेश में पर्यटन के समग्र विकास के लिए 'मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन' को मंजूरी प्रदान की है।

1 से 3 नवंबर तक रोशन होंगे शासकीय भवन

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 1 से 3 नवंबर तक सभी जिला मुख्यालयों में स्थित शासकीय भवनों पर आकर्षक रोशनी की जाएगी। इसके लिए संबंधित विभाग अपने बजट से आवश्यक व्यवस्थाएं करेंगे। राज्य शासन ने सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि मुख्य अतिथियों के परामर्श से कार्यक्रमों का निर्धारण करते हुए आयोजन के समुचित तैयारियां सुनिश्चित करें। जिला स्तरीय कार्यक्रमों में मंत्रीगण, सांसदों, विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमावती उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मुख्य अतिथि होंगे।

मुंगेली में विधायक पुत्रलाल मोहले, धमतरी में विधायक अजय चन्द्राकर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में विधायक मती रेणुका सिंह, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में विधायक अमर अग्रवाल, कोण्डगांव में विधायक सु लता उर्सेडी, नारायणपुर में विधायक विक्रम उर्सेडी तथा बक्तर में विधायक किरण देव मुख्य अतिथि होंगे।

विकास योजनाओं और उपलब्धियों की प्रदर्शनी होगी आकर्षण का केंद्र: राज्य शासन द्वारा पूर्व में जारी निर्देशों के अनुसार सभी जिला मुख्यालयों में राज्योत्सव के अवसर पर विभिन्न विकास विभागों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इनमें विभागीय उपलब्धियों, महत्वपूर्ण योजनाओं और सफल परियोजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। इस वर्ष कार्यक्रमों का मुख्य शीम सशक्त नारी, युवा उड़ान' निर्धारित किया गया है। जिला स्तर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रमों में शालीनता और गरिमा बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में वार्षिक खेल समारोह 'एनिग्मा 9.0' के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में वार्षिक खेल समारोह 'एनिग्मा 9.0' के अंतर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित हुए इस समारोह में खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव अमित कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में चिकित्सा शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व संचालक एवं ऑर्थोपेडिक्स विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील मुखर्जी तथा विशेष अतिथि के रूप में पं. नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय के एनाटॉमी विभाग के पूर्व प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. माणिक चटर्जी उपस्थित थे। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी एवं अम्बेडकर अस्पताल के



चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने कार्यक्रम की मेजबानी की। आयोजन में स्टूडेंट यूनियन के अध्यक्ष डॉ. एसबीएस नेताम, स्पोर्ट्स कमेटी के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप चंद्रकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। खेल समिति में डॉ. राजेंद्र अहिरे, डॉ. करिश्मा सिंह, डॉ. कुशल चक्रवर्ती और डॉ. नागेन्द्र सिंह सोनवानी शामिल थे। वहीं, छात्र समिति की ओर से स्पोर्ट्स सेक्रेटरी अर्चिकांगे एवं आलोक राज चेल्ले ने आयोजन संबंधी जिम्मेदारियों को संभाला।

एनिग्मा 9.0 के अंतर्गत इनडोर गेम्स, एथलेटिक्स और आउटडोर स्पोर्ट्स की विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनडोर गेम्स में शतरंज, टेबल टेनिस, कैरम

और बैडमिंटन शामिल रहे। एथलेटिक्स में 100 मीटर दौड़, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, लॉन्ग जंप और जेवलिन थ्रो जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वहीं, आउटडोर स्पोर्ट्स में खो-खो, फुटबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी, क्रिकेट और वॉलीबॉल के मुकाबले हुए। विभिन्न बैच के छात्र-छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि श्री अमित कटारिया ने अपने संबोधन में कहा कि व्यस्त कार्यक्रम और एक आवश्यक बैठक होने के बावजूद उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद करने के उद्देश्य से इस समारोह में शामिल होने का निर्णय लिया।

रोगियों की सेवा को पुण्य कार्य मानकर निभाएं अपना दायित्व : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न संवर्गों में नवनियुक्त 520 कर्मचारियों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और प्रत्येक नागरिक तक बेहतर उपचार की पहुंच सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। स्वस्थ नागरिक ही सशक्त समाज और विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव है। हमारी सरकार का प्रयास है कि शहरों के साथ-साथ गांवों, जनजातीय अंचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में भी लोगों को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न संवर्गों में नवनियुक्त 520 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सभी नवनियुक्त कर्मचारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सेवाभाव, संवेदनशीलता और पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में सेवा का अवसर मिलना अपने आप में एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अस्पताल आने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने आगे बढ़ने और संपत्ता प्राप्त करने की आशा और विश्वास से देखता है। ऐसे में ही विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण संभव है।



जिम्मेदारी केवल अपने शासकीय दायित्वों के निर्वहन तक सीमित नहीं है, बल्कि अपनी पूरी क्षमता के साथ परिवार, समाज और प्रदेश की प्रगति में योगदान दे सकेंगे। इसी सोच के साथ राज्य सरकार स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के साथ मानव संसाधन की उपलब्धता बढ़ाने पर भी लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद बीते 25 वर्षों में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। राज्य सरकार इस यात्रा को और गति देते हुए एक मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विकास, आवश्यक उपकरणों और संसाधनों की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य अमले को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। हमारा लक्ष्य ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित

जब हमारे नागरिक स्वस्थ होंगे, तभी वे अपनी पूरी क्षमता के साथ परिवार, समाज और प्रदेश की प्रगति में योगदान दे सकेंगे। इसी सोच के साथ राज्य सरकार स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के साथ मानव संसाधन की उपलब्धता बढ़ाने पर भी लगातार कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद बीते 25 वर्षों में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। राज्य सरकार इस यात्रा को और गति देते हुए एक मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, अस्पतालों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विकास, आवश्यक उपकरणों और संसाधनों की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य अमले को मजबूत करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। हमारा लक्ष्य ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित

14 जिलों में सेवाएं देंगे 520 नवनियुक्त स्वास्थ्यकर्मी

स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न संवर्गों के कुल 520 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों में स्टाफ नर्स के 208, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक पुरुष के 95, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला के 94, फर्मासिस्ट के 25, वाई बॉय के 50 तथा वाई आया के 48 पद शामिल हैं। नवनियुक्त कर्मचारी प्रदेश के 14 जिलों में अपनी सेवाएं देंगे। जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता बढ़ानी और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

करना है, जिसमें प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को आवश्यकता के समय सुलभ और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जिन 14 जिलों में नवनियुक्त कर्मचारियों को सेवाएं देनी हैं, उनमें अधिकांश जिले जनजातीय बहुल हैं। इसलिए उनकी जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि बक्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के निरंतर विस्तार से सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहे हैं। राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि भौगोलिक दूरी किसी भी नागरिक के लिए बेहतर इलाज प्राप्त करने में बाधा न बने।

छत्तीसगढ़ के विकास का प्रमुख इंजन बनेगा हाउसिंग बोर्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल आने वाले वर्षों में प्रदेश के आर्थिक और अधोसंरचनात्मक विकास का प्रमुख इंजन बनेगा। हाउसिंग बोर्ड को केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि सड़क, पुल, खेल अधोसंरचना, सार्वजनिक भवनों, टाउन प्लानिंग और शहरी पुनर्विकास जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं में भी इसकी भागीदारी बढ़ाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए मंडल को परंपरागत कार्यप्रणाली से आगे बढ़कर नवाचार, आधुनिक तकनीक, वित्तीय प्रबंधन और



परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति अपनाती होगी।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री चौधरी आज नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद के ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला का उद्देश्य मंडल के अधिकारियों एवं

कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता, प्रशासनिक क्षमता, वित्तीय प्रबंधन और कार्यकुशलता में वृद्धि करना तथा उन्हें आधुनिक निर्माण तकनीकों, नवाचारी वित्तीय मॉडल और अधोसंरचना विकास की नई संभावनाओं से परिचित कराना था।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को

आर्थिक रूप से सुदृढ़, आत्मनिर्भर और बहुआयामी अधोसंरचना विकास संस्था के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से मंडल की वित्तीय स्थिति में सुधार, रिक संपत्तियों के विक्रय, नई परियोजनाओं के चयन और कार्यप्रणाली में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री चौधरी ने कहा कि कुछ वर्ष पूर्व हाउसिंग बोर्ड गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रहा था। बड़ी त्रुटि देनदारी, सीमित परियोजनाओं और लंबे समय से रिक पड़ी संपत्तियों के कारण संस्था की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई थी। उन्होंने कहा कि हाउसिंग बोर्ड बजट आधारित संस्था नहीं है। उसे अपनी परियोजनाओं, सेवाओं और संसाधनों के माध्यम से आय अर्जित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना होगा।



श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला। दल्ली राजहरा में 23, 24 एवं 25 अक्टूबर को आयोजित राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में मोहला के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के लगभग 200 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मोहला की टीम को बेस्ट टीम का अवार्ड प्रदान किया गया। इस उपलब्धि से जिले में

खेल प्रतिभाओं को नई पहचान मिली है। प्रतियोगिता में मोहला के छह खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें अजय यादव ने 83 किलोग्राम भार वर्ग, हिरेंद्र साहू ने 66 किलोग्राम भार वर्ग, दिव्यांश शह ने 59 किलोग्राम भार वर्ग तथा यामिनी कोरेटी ने 66 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं सदीप मांझी ने 53 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक तथा रोषन उर्सेडी ने 66 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
93009-11331
रंगोली कैल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्गा (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P122
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
ऑर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

खास-खबर

बस्तर ओलम्पिक 2026 की तैयारियां समयपूर्व पूर्ण करें- कमिश्नर डोमन सिंह

जगदलपुर। कमिश्नर बस्तर संभाग डोमन सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बस्तर ओलम्पिक 2026 की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संभाग के सभी जिलों में आयोजन से संबंधित तैयारियों को समयपूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बस्तर ओलम्पिक युवाओं की खेल प्रतिभा को निखारने, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने और खेल के माध्यम से सकारात्मक वातावरण निर्मित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इसके मद्देनजर सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दें। बैठक में संभाग के सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए कमिश्नर ने ब्लॉक स्तरीय एवं जिला स्तरीय खेल स्पर्धाओं के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

तसर पालन से बढ़ेंगे ग्रामीणों की आमदनी के अवसर

रायपुर। वनांचल क्षेत्रों में तसर रेशम (कोसा) पालन ग्रामीण परिवारों की आजीविका और स्वरोजगार का एक प्रमुख जरिया बनता जा रहा है। इस व्यवसाय से आदिवासियों और ग्रामीण महिलाओं को गांव में ही रोजगार मिल रहा है, जिससे उन्हें रोजगार के लिए भटकना नहीं पड़ता। बीजापुर जिले में तसर रेशम पालन से जुड़े ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ाने के लिए रेशम विभाग द्वारा आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम कोतापल्ली के 13 तसर पालकों को स्वस्थ डिम्ब समूह वितरण योजना के तहत 3,700 स्वस्थ डिम्ब समूह हस्तान्तरित किए गए हैं। इनकी कुल कीमत 59 हजार 200 रुपए है, जिसमें शासन ने 51 हजार 800 रुपए की सस्मिडी दी है। ग्राम कोतापल्ली स्थित शासकीय कोसा बीज केंद्र से जुड़े तसर पालकों को केंद्रीय रेशम बोर्ड की इकाई बीएसएमटीसी, बस्तर से प्राप्त पालित प्रजाति के स्वस्थ डिम्ब समूह वितरित किए गए हैं।

मतदाता सूची का विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। जिले में अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के संदर्भ में निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जिला निर्वाचन कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, भारत निर्वाचन आयोग ने 15 अक्टूबर को पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा की है। इसका उद्देश्य मतदाता सूची में शामिल होने से छूटे पात्र नागरिकों, विशेषकर युवाओं और पहली बार मतदाता बनने वालों का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करना है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मतदान केंद्रों का युक्तियुक्तकरण



एवं पुनर्गठन 2 नवंबर 2026 तक किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को होगा। नागरिक 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे और आपत्तियां प्रस्तुत कर सकेंगे। इनका निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा तथा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा। जिला निर्वाचन

कार्यालय ने जानकारी दी है कि 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा, वर्ष 2027 की आगामी अर्हता तिथियों-1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर को पात्र होने वाले नागरिक भी अग्रिम आवेदन जमा कर सकेंगे।

न्यायधानी नाइट्स और चक्रधर चैंपियंस के बीच कड़ा मुकाबला 4-4 से ड्रॉ



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के एक और तेज़-तरीक़ मुकाबले में आज एस.वी. सुनील की 'चक्रधर चैंपियंस' और सुरेंद्र सिंह की श्यायधानी नाइट्स के बीच मैच 4-4 से ड्रॉ रहा। चैंपियंस के लिए युवराज वाल्मीकि तीन गोल करके हीरो बने, जबकि नाइट्स की ओर से केतन ने बेहतरीन हॉकी का प्रदर्शन किया।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की निदेशक प्रो. रीता वेणुगोपाल, जिनंदल रूप के उपाध्यक्ष यू.पी. सिंह, अजानी रूप के वरिष्ठ प्रबंधक अतुल कुमार गुप्ता

और छत्तीसगढ़ तैराकी संघ के सचिव सही राम जाखड़ भी इस मैच को देखने स्टेडियम पहुंचे थे। उन्होंने मैच में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए।

बिलासपुर नाइट्स की संतुलित टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। जहाँ चिराग पेनल्टी कॉर्नर में बदलने से चूक गए, तब टीम के अन्य खिलाड़ियों ने जिम्मेदारी संभाली। वहीं चक्रधर चैंपियंस की टीम में एस.वी. सुनील और वाल्मीकि मुख्य रूप से टीम का भार उठाते रहे हैं। इस मैच में दोनों टीमों की इन अलग-अलग



खुबियाँ को देखने का मौका मिला।

मैच के दूसरे क्वार्टर में केतन और आदर्श ने श्यायधानीश के लिए स्कोरिंग की शुरुआत की। केतन ने दाईं ओर से दौड़ते हुए चार डिफेंडरों को छकाया और बहुत आसानी से सर्कल के अंदर प्रवेश किया। उन्होंने आखिरी पल में आदर्श को पास दिया, जिन्होंने गेंद को गोल में पहुंचा दिया। दूसरा गोल आने में ज्यादा समय नहीं लगा। इस बार केतन बाईं ओर से सर्कल में दाखिल हुए और सोनू निपाद ने गेंद को डिफेंडर (दिशा बदलकर) करके गोल कर दिया, जिससे हाफ-टाइम तक उनकी टीम 2-1 से आगे हो गई।

तीसरे क्वार्टर में भी कुछ ऐसा ही नज़ारा देखने को मिला। चिराग

गोल करने से चूक गए, लेकिन केतन गोल के ठीक सामने मौजूद थे और उन्होंने अपना पहला गोल किया, जिससे उनकी टीम का कुल स्कोर चार हो गया। इस बीच वाल्मीकि ने पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए दो गोल किए। उनका तीसरा गोल एक फ़ैल्ट गोल था, जिसमें सर्कल के ठीक बाहर से सुनील ने उन्हें गेंद पास की थी। वाल्मीकि ने एक थ्रिक्स फ़िलकश लगाई जो सीधे गोल पोस्ट के अंदर चली गई। टूर्नामेंट में अपनी दूसरी हैट्रिक पूरी करने के बाद वे अपना चौथा गोल करने के भी करीब लग रहे थे, लेकिन अंत में डिफेंडरों के लिए खोगेश्वर को गोल का श्रेय दिया गया। इसके बाद दोनों टीमों की ओर से खेल में कोई खास हलचल नहीं हुई।

शाहरुख और आशीष पूर्ति ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को दिलाई पहली जीत, राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी मैच देखने स्टेडियम पहुंचे उप मुख्यमंत्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी मैच देखने स्टेडियम पहुंचे शाहरुख और आशीष पूर्ति ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को दिलाई पहली जीत, राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराया

संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने ललित उपाध्याय की राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराकर छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की। शमशेर की कसानी वाली स्ट्राइकर्स टीम शानदार फॉर्म में दिखी। मैच में आशीष तानी पूर्ति और शाहरुख ने 2-2 गोल किए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ छत्तीसगढ़ कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के सीईओ चंदन कुमार, शारदा ग्रुप के चेयरमैन (वित्त) योगेंद्र शुक्ला, एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक आदर्श श्रीवास्तव, गोयल ग्रुप के मार्केटिंग हेड चंद्रशेखर और छत्तीसगढ़ प्रदेश सांफ्टबॉल

उप मुख्यमंत्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी मैच देखने स्टेडियम पहुंचे



एसोसिएशन के महासचिव ओपी शर्मा भी इस मैच को देखने स्टेडियम पहुंचे थे। शाहरुख और आशीष पूर्ति ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को दिलाई पहली जीत, राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराया संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और राजधानी रॉयल्स दोनों के लिए यह मुकाबला बहुत अहम था। टूर्नामेंट में बने रहने के लिए यह उनके पास आखिरी मौका था, क्योंकि इससे पहले दोनों में से किसी को भी जीत नहीं मिली थी। शुरुआत में खिलाड़ियों पर दबाव साफ़ दिख रहा था। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने संभलकर

शुरुआत की। दोनों ही टीमों को अटैक करने या सर्कल के अंदर पहुंचने में मुश्किल हुई और उनका पूरा ध्यान गेंद पर अपना कब्ज़ा बनाए रखने पर था। फिर भी, स्ट्राइकर्स के लिए आशीष ने एक पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल करके खाता खोला।

काफी संघर्ष के बाद, हाफ-टाइम ब्रेक बजने से ठीक पहले, रॉयल्स ने भी मैच में वापसी की। रोशन ने रिवर्स हिट के जरिए गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। यह खेल का एक बेहतरीन नज़ारा था, जिसमें उन्होंने सर्कल के अंदर कुछ खिलाड़ियों को छकाया, बाईं ओर थोड़ी जगह बनाई और फिर एक शानदार शॉट लगाकर स्कोर बराबर कर दिया। राजधानी



रायल्स का डिफेंस काफी हद तक अच्छा था, लेकिन शाहरुख को खुला छोड़ देने की एक छोटी सी गलती भारी पड़ गई। उन्होंने सर्कल के ठीक अंदर से एक 'रिवर्स प्लिक' के जरिए गोल कर दिया। उस पल के बाद संस्कारधानी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। आशीष ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टूर्नामेंट में अपने कुल गोलों की संख्या 9 तक पहुंचा दी।

तीसरे क्वार्टर के खत्म होने में जब एक मिनट बचा था, तब शाहरुख ने एक बार फिर गोल किया। उन्हें दाईं ओर से पोस्ट के ठीक सामने एक बेहतरीन पास मिला था, जिसे उन्होंने गोल में बदल दिया। अब सवाल सिर्फ अपनी बढ़त को और बढ़ाने का था। हालाँकि, राजधानी के

लिए ललित ने भी गोल किया। एक पेनल्टी कॉर्नर के रिबाउंड पर उन्होंने गेंद को नेट के अंदर पहुंचा दिया। आशीष को 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' और शाहरुख को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। आज के पहले ही मैच में लीग के सेमीफ़ाइनलिस्ट मिल गए, जब सुरेंद्र सिंह की 'न्यायधानी नाइट्स' और एस.वी. सुनील की 'चक्रधर चैंपियंस' के बीच मुकाबला 4-4 से ड्रॉ रहा। पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर बने रहने के कारण नाइट्स ने आगे का सफ़र तय किया। चैंपियंस के लिए युवराज वाल्मीकि हीरो बनकर उभरे, जिन्होंने तीन गोल किए, जबकि नाइट्स की ओर से केतन ने अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया।

रणजी ट्रॉफी: आंध्र प्रदेश के खिलाफ छत्तीसगढ़ की पहली पारी लड़खड़ाई

दूसरे दिन का खेल समाप्त, अमनदीप खरे 74 रन बनाकर नाबाद; छत्तीसगढ़ 15 रन पीछे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित रणजी ट्रॉफी 2026-27 में छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश के बीच तीसरा मुकाबला 26 से 29 अक्टूबर तक डीवीआर स्टेडियम, मुलापाडु, आंध्र प्रदेश में खेला जा रहा है। मुकाबले के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक छत्तीसगढ़ ने अपनी पहली पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 216 रन बना लिए हैं। टीम अभी आंध्र प्रदेश के पहली पारी के स्कोर से 15 रन पीछे है।

आंध्र प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ने पहली पारी में 73.2 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर 231 रन बनाए। आंध्र प्रदेश की ओर से एस.वी. राहुल ने सर्वाधिक 89 रनों की पारी खेली।



उनके अलावा शशिकांत ने 31 रन और शेख राशीद ने 24

रनों का योगदान दिया।

छत्तीसगढ़ की ओर से जयंत यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट हासिल किए। अजय मंडल ने 3 विकेट, जबकि धर्मेन्द्र सिंह जडेजा ने 2 विकेट झटके। आंध्र प्रदेश के 231 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने दूसरे दिन की समाप्ति तक 95 ओवरों में 8 विकेट खोकर 216 रन बना लिए हैं। छत्तीसगढ़ की ओर से मध्यक्रम के बल्लेबाज अमनदीप खरे ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 74 रन बनाए हैं और कीज पर डूटे हुए हैं। उनके अलावा अनुज तिवारी ने 34 रन और अजय मंडल ने 29 रनों का योगदान दिया। आंध्र प्रदेश की ओर से टी. विजय ने 3 विकेट हासिल किए, जबकि सौरभ कुमार ने 2 विकेट झटके।

दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक छत्तीसगढ़ की टीम आंध्र प्रदेश से 15 रन पीछे है। अब तीसरे दिन सभी की निगाहें अमनदीप खरे की पारी पर रहेंगी, जिनसे छत्तीसगढ़ को पहली पारी में बढ़त दिलाने की उम्मीद होगी।

सीनियर महिला टी-20 टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की लगातार दूसरी जीत

बंगाल को 6 विकेट से हराया, सृष्टि शर्मा ने जड़ा शानदार अर्धशतक

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आयोजित सीनियर महिला टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। 27 अक्टूबर को सूरत में खेले गए मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने बंगाल को 6 विकेट से हराया। बंगाल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए बंगाल की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के

नुकसान पर 130 रन बनाए। बंगाल की ओर से तनुश्री सरकार ने नाबाद 49 रनों की शानदार पारी खेली। उनके अलावा तितास साधु ने 18 और मिता पॉल ने 16 रन बनाए। छत्तीसगढ़ की ओर से साक्षी शुक्ला ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए, जबकि प्रतिज्ञा सिंह ने 2 विकेट झटके।

131 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने सभी हुई बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। टीम ने 19.2 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 131 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से सलामी बल्लेबाज सृष्टि शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 8 चौकों की मदद से 48 गेंदों पर 52 रन बनाए। वहीं नेहा

बड़वाईक ने 32 रन और कशिश अग्रवाल ने महत्वपूर्ण 18 रनों का योगदान दिया। बंगाल की ओर से मिता पॉल ने 2 विकेट हासिल किए।

छत्तीसगढ़ की टीम ने लक्ष्य हासिल करते हुए 6 विकेट से जीत दर्ज की और टूर्नामेंट में अपनी लगातार दूसरी जीत के साथ शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

गेवरा रेलवे स्टेशन मार्ग स्ट्रीट लाइट से हुआ रोशन

कोरबा। सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत सर्वमंगला - इमलीछपर मार्ग से गेवरा रेलवे स्टेशन तक महत्वपूर्ण सड़कों पर स्ट्रीट लाइट लगाई गई है। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर सीएसआर मद से इस कार्य के लिए 1 करोड़ 89 लाख 99 हजार रुपये की तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई थी। विद्युत यांत्रिकी विभाग द्वारा स्ट्रीट लाइट स्थापना का कार्य पूरा किया जा रहा है। लगभग 5.55 किलोमीटर लंबे सर्वमंगला - इमलीछपर मार्ग तक स्ट्रीट लाइट लगाई गई है। इन मार्गों पर भारी वाहनों सहित बड़ी संख्या में अन्य वाहन लगातार आवागमन करते हैं। सड़क बनने के बाद रात के समय पर्याप्त रोशनी नहीं होने से वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी होती थी। अंधेरे के कारण दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती थी।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं प्रहलद उपलब्ध यहां
उचित व्याज दर पर धरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

राशन दुकान का ताला तोड़कर 36 कट्टी चावल चोरी, केस दर्ज

जोधरा। बिलासपुर जिले के पंचपेड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम कंवटाडीह भुतहा स्थित शासकीय उचित मूल्य की राशन दुकान में चोरी का मामला सामने आया है। ग्राम विद्याडीह टांगर निवासी प्रिंस भार्गव (24) कंवटाडीह भुतहा में मां तेरसमति महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान में खाद्यान्न वितरण का काम करता है। दुकान के पीडीएस भवन में चावल, शक्कर सहित अन्य खाद्यान्न सामग्री रखी जाती है। 17 अक्टूबर को शक्कर वितरण के बाद शाम करीब 5 बजे दुकान में ताला लगाकर वह घर चला गया था। 25 अक्टूबर को जब वह चावल और शक्कर वितरण के लिए दुकान पहुंचा, तो ताला टूटा मिला। दुकान का ताला टूटा देखकर संचालक ने सारपंच, उपसरपंच और कोटवार को सूचना दी। जांच करने पर दुकान से 36 कट्टी चावल गायब मिला। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए) और 331(4) के तहत मामला दर्ज कर चोरी में शामिल आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

छोटे देवड़ा में अवैध शराब बेचते युवक गिरफ्तार

जगदलपुर। बकावण्ड पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफकार्रवाई करते हुए ग्राम छोटे देवड़ा नदिया पारा से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 4 लीटर अंग्रेजी शराब व बीयर जब्त की गई है, जिसकी बाजार कीमत 2,310 रुपये आंकी गई है। पुलिस की टीम ने 25 अक्टूबर की शाम मुखबिर की सूचना पर नदिया पारा में दबिश दी। मौके पर हितरू कश्यप (35) को अवैध रूप से शराब रखकर बेचते पाया गया। उसके पास से किंगफिशर बीयर, रॉयल स्टैंग, मैकडोवेल नंबर-1 और गोवा शराब की बोतलें बरामद हुईं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफआबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से जानलेवा हमला, 4 गिरफ्तार

बिलासपुर। कोटा में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर चाकू और डंडे से हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवक पर चाकू से तीन से चार बार वार किए और डंडे से भी हमला किया। घटना 26 अक्टूबर की बताई जा रही है। मामले में कोटा पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू, लकड़ी का डंडा और बुलेट मोटरसाइकिल जब्त की गई है।

शराब के नशे में पत्नी पर डाला तारपीन जल, लगाई आग

जांजगीर-चांपा। शराब के नशे में पत्नी पर तारपीन तेल छिड़क कर उसे जला दिया. जिससे 65 प्रतिशत जली महिला की घटना के 6 दिन बाद मौत हो गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है लेकिन सबसे दुःखद बात यह है कि हादसे से दो बच्चे अनाथ हो गए। पोड़ीभावा मोहल्ले में दुर्गा मंदिर के पीछे रहने वाले मनीराम यादव ने शराब के नशे में अपने पत्नी पर तारपीन ते डालकर उसे आग से जला दिया था। महिला को सिम्म भेजा गया था। मृत्यु से संघर्ष के बाद अंततः उसकी जान नहीं बच पाई।

रेलवे-इंजीनियर पर संबंध बनाने का दबाव देने का आरोप, विरोध करने पर नौकरी से निकालने की धमकी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर रेल मंडल के कस्ट्रक्शन विभाग में पदस्थ इलेक्ट्रिक इंजीनियर रुखैया मीणा के खिलाफ महिला कर्मचारी ने यौन संबंध बनाने का दबाव देने और विरोध करने पर नौकरी से निकालने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर तोरवा थाना पुलिस ने आरोपी अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने इससे पहले रेल मंत्री, राज्य महिला आयोग और सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की थी।

सट्टा खिलाने के आरोप में चार गिरफ्तार 34,670 रुपए जब्

खरोरा। खरोरा पुलिस ने महामाया अस्पताल के पास सट्टा खिलাতে हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 64 सट्टा पट्टी, 34,670 रुपए नकद और चार मोबाइल जब्त किए हैं। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिबंध अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार, 28 सितंबर 2026 को मुखबिर से मिली सूचना के आधर पर यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों में सतविन्दर सिंग बग्गा उर्फ रिंकू, जगमोहन नशीने (67), बसंत देवांगन (40) और धर्मेन्द्र देवांगन (40) शामिल हैं।

ओमप्रकाश हत्याकांड में आरोपी को उम्रकैद की सजा, चचेरी बहन की लव मैरिज से था नाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तिल्दा-नेवरा में लव मैरिज से नाराज होकर ओमप्रकाश रात्रे उर्फ गोला की हत्या करने वाले हेम कुमार साहू को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। आरोपी इस बात से नाराज था कि ओमप्रकाश ने उसके बड़े पिताजी की बेटी से लव मैरिज की थी।

पुलिस के मुताबिक, इसी रंजिश में उसने बटनदार चाकू से ओमप्रकाश पर हमला कर दिया था। पंचम अपर सत्र न्यायाधीश नरेंद्र कुमार की कोर्ट ने हत्या के मामले में उम्रकैद और 500 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। आर्म्स एक्ट की दो धाराओं में भी आरोपी को एक और तीन साल की सजा दी गई है। सभी सजाएं साथ-साथ चलेगी।

रात में घर से निकला, सुबह नाले के पास मिला शव

घटना 1 नवंबर 2024 की रात की है। ओमप्रकाश रात्रे रात करीब 10 बजे बाइक लेकर घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। 2 नवंबर की सुबह उसके पिता जतिराम रात्रे गांव के बसंत होटल पहुंचे। वहां बेटे की बाइक खड़ी मिली। पिता ने आसपास पृछताछ की तो राजेश धीवर ने बताया कि ओमप्रकाश, हेम कुमार साहू के साथ गया था। राजेश के मुताबिक, रात करीब 1:30 बजे ओमप्रकाश का फोन आया था। उसने बताया था कि वह हेम कुमार साहू के साथ खा-पी रहा है।

बेटे की तलाश के दौरान जतिराम रात्रे को अनिल धीवर ने बताया कि ओमप्रकाश का शव नेवरा के महामाया पारा में खमार कुंआ नाले के पास पड़ा है। पिता मौके पर पहुंचे तो बेटे की



मौत हो चुकी थी। उसके चेहरे, सिर, कान, गले, हाथ और पेट सहित शरीर के कई हिस्सों में चोट के निशान थे। कपड़ों पर भी खून लगा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस

ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया, जिसमें डॉक्टर ने मौत को हत्या बताया। इसके बाद हेम कुमार साहू के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की गई।

कोरबा में ट्रेलर के पहिए में फंसा बाइक सवार युवक, ओवरटेक के दौरान हादसा, ड्राइवर फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के कोतवाली थाना क्षेत्र के राताखार मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में युवक का एक पैर ट्रेलर के पिछले पहिये के नीचे फंस गया। बाइक भी पहिये के नीचे फंस गई। घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, युवक बाइक से राताखार मार्ग से गुजर रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रेलर चालक ने तेज रफ्तार में ओवरटेक करने की कोशिश की। इस दौरान ट्रेलर ने बाइक



को टक्कर मार दी। युवक बाइक समेत सड़क पर गिर गया और उसका पैर ट्रेलर के पिछले पहिये के नीचे फंस गया। हादसे के बाद चालक ट्रेलर को मौके पर छोड़कर उसकी चाबी लेकर फरार हो गया।

दूसरे ट्रेलर चालक ने युवक को निकाला

हादसे के बाद युवक दर्द से

चीखने लगा। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन पहिये के नीचे फंसे होने के कारण उसे निकालना मुश्किल हो रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे दूसरे ट्रेलर के चालक ने सूझबूझ दिखाई। उसने अपना वाहन आगे बढ़ाकर घायल युवक को बाहर निकालने में मदद की। काफी मशक़त के बाद बाइक को भी

मकानों में घुसकर चोरी करने वाली दो अंतरराज्यीय महिला आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

खरोरा। खरोरा पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने के मामले में दो महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान रूबी सोबोर (25) और अंजू सोबोर (22) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों महिलाएं घुमंतू समूह के साथ अलग-अलग स्थानों पर जाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देती थीं। पृछताछ में अंजू सोबोर की बिलासपुर जिले के तारबहार थाना क्षेत्र में दर्ज चोरी के एक मामले में भी संलिप्तता सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम मांट निवासी ममता वर्मा 25 अक्टूबर को बच्चों को घर पर छोड़कर नेटवर्क मार्केटिंग के काम से बाहर गई थीं। दोपहर करीब 2 बजे घर लौटने पर उनके बेटे ने चोरी होने की जानकारी दी। जांच करने पर आलमारी में रखे सोने के एक जोड़ी झुमके, चांदी के एक जोड़ी पायल और 3 हजार रुपए नकद गायब मिले। चोरी गए सामान की कुल



कीमत 25,500 रुपए बताई गई है। प्रार्थिया ने पुलिस को बताया कि घटना के दौरान आसपास तीन महिलाएं और चार बच्चे संदिग्ध अवस्था में घूमते दिखाई दिए थे। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध महिलाओं की तलाश शुरू की। पृछताछ में रूबी सोबोर और अंजू सोबोर के नाम सामने आए। दोनों ने तीसरी महिला पूजा सोबोर को अपना रिश्तेदार बताया और कहा कि चोरी का सामान व नकदी वह अपने साथ ले गई है। दोनों को रायपुर आने के लिए पूजा ने 500-500 रुपए दिए थे।

जा रही थी। इससे परेशान होकर महिला ने अधिकारी के खिलाफ शिकायत की।

महिला-बाल विकास विभाग को भी जांच के निर्देश

महिला ने कार्रवाई की मांग करते हुए रेल मंत्री, राज्य महिला आयोग और सीएम हेल्पलाइन में शिकायत की थी। शिकायत के बाद मामले की जांच जिला महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी को सौंपने के निर्देश दिए गए थे। अब तोरवा पुलिस ने भी एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। 35 वर्षीय युवक ने फांसी

लगाकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट में उसने अपनी पत्नी व सास-ससुर को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है। मिले नोट में उसने यह भी लिखा है कि ससुराल पक्ष की धमकी-चमकी के कारण उसके पिता को ब्रेन हेमरेज हो गया. मामला नगर की सिंचाई कॉलोनी में रहने वाले होमेश्वर सिंह राठौर उम्र 35 वर्ष उर्फ अक्रू की मौत का है।

थाना प्रभारी के नाम लिखा आवेदन चर्चा में है, जिसमें युवक ने पारिवारिक विवाद का उल्लेख करते हुए अपने ससुर शिवानंद राठौर और सास मंदाकिनी राठौर पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। उक्त नोट के अनुसार होमेश्वर

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ का आरोपी व्याख्याता सर्येंड

महासमुंद्र। छत्तीसगढ़ के महासमुंद्र जिले में नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के आरोपी व्याख्याता जीवन प्रसाद देवांगन को निर्लंबित कर दिया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ के संचालक ने निलंबन का आदेश जारी किया है। व्याख्याता पर शासकीय हाई स्कूल अछोला में कक्षा 9वीं की छात्रा से छेड़छाड़ और विद्यालय परिसर में शराब सेवन करने की शिकायत की गई थी। प्रारंभिक जांच में शिकायत की पुष्टि होने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

आरोपी व्याख्याता जीवन प्रसाद देवांगन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 75(1) और पोक्सो एक्ट की धारा 8 एवं 10 के तहत मामला दर्ज किया जा चुका है। आरोपी को 10 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद 48 घंटे से अधिक समय तक न्यायिक अभिरक्षा में रहने के कारण उसके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है। यह निलंबन कार्रवाई 10 अक्टूबर 2026 से प्रभावी माना जाएगा।

मिलाने की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान

निरखार बैंगल

मो.- 9826186026

Shop-पेट, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

-:: कार्यालय कलेक्टर, बेमेतरा (छ.ग.) :: -			
।। आदिवासी विकास शाखा ।।			
फैक्स-07824-222105 ई-मेल - actwd.bemetara@gmail.com			
// द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //			
क्रमांक /1007/ आज्ञाक / निर्माण/निविदा/71/2026 बेमेतरा, दिनांक 26.10.2026			
छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्य के लिए कलेक्टर, (आदिवासी विकास शाखा) बेमेतरा उपर्युक्त श्रेणी से लोक निर्माण विभाग (एकल पंजीयन "डी" श्रेणी एवं उच्च) में पंजीकृत ठेकेदारो से दिनांक 10.11.2026 को सायं 5:00 बजे तक निविदायें अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन रायपुर द्वारा भवन दर अनुसूची दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील है। (समस्त संशोधन सहित) एस.ओ.आर. दर पर मुहरबंद दो लिफाका पद्धति के तहत रजिस्टर्ड पोस्ट ए.डी./स्पिड पोस्ट के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। अमानत राशि सहायक आयुक्त आदिवासी विकास बेमेतरा के नाम से एफ.डी.आर. / बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रस्तुत करना होगा।			
निविदा प्रपत्र की राशि	:- रुपये 300/- व 750/-		
निविदा प्रपत्र क्रय की अंतिम तिथि	:- 02.11.2026		
निविदा प्रपत्र प्रदाय की तिथि	:- 05.11.2026		
निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि	:- 16.11.2026		
निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि	:- 17.11.2026 (दोपहर 12:00 बजे)		
क्र.	कार्य का प्रकार	कार्यों की संख्या	लागत राशि
1	2	3	4
1	विभागीय छात्रावास में मरम्मत एवं नाली निर्माण कार्य	03	514000.00
निविदा की शेष शर्तें एवं विस्तृत जानकारी कार्यालय कलेक्टर, (आदिवासी विकास शाखा) बेमेतरा के कार्यालय में कार्यालयीन समयावधि में अवलोकन किया जा सकता है।			
सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, जिला-बेमेतरा			
जी- 262704207/4			

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास खबर



शाहरुख और आशीष पूर्ति ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को दिलाई पहली जीत

रायपुर। संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराकर छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की। आशीष तानी पूर्ति और शाहरुख ने 2-2 गोल किए। संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और राजधानी रायल्स दोनों के लिए यह मुकाबला बहुत अहम था। टूर्नामेंट में बने रहने के लिए यह उनके पास आखिरी मौका था, क्योंकि इससे पहले दोनों में से किसी को भी जीत नहीं मिली थी। शुरुआत में खिलाड़ियों पर दबाव साफ़ दिख रहा था।

पहले क्वार्टर में दोनों टीमों को अटैक करने या सर्कल के अंदर पहुँचने में मुश्किल हुई और उनका पूरा ध्यान गेंद पर अपना कब्जा बनाए रखना पर था। फिर भी, स्ट्राइकर्स के लिए आशीष ने एक पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल करके खाता खोला। हाफ-टाइम ब्रेक बजने से ठीक पहले, रॉयल्स ने भी मैच में वापसी की। रोशन ने रिवर्स हिट के जरिए गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। राजधानी रायल्स का डिफेंस अच्छा था, लेकिन शाहरुख को खुला छोड़ देने की एक छोटी सी गलती भारी पड़ गई। उन्होंने सर्कल के ठीक अंदर से एक 'रिवर्स पिलक' के जरिए गोल कर दिया। आशीष ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर टूर्नामेंट में अपने कुल गोलों की संख्या 9 तक पहुँचा दी।

तीसरे क्वार्टर के खत्म होने से एक मिनट पहले शाहरुख ने एक और गोल किया। राजधानी के लिए ललित ने भी गोल किया। एक पेनल्टी कॉर्नर के रिबाउंड पर उन्होंने गेंद को नेट के अंदर पहुँचा दिया। आशीष को 'स्ट्राइकर ऑफ द मैच' और शाहरुख को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला।

मनहरण लाल पाण्डेय जयंती

किसानों की समृद्धि और आय बढ़ाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

- प्रदेशभर के प्रगतिशील किसानों को उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान
- दो साल में 10 हजार करोड़ की नई सिंचाई परियोजनाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। किसानों की समृद्धि और उनकी आय बढ़ाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अन्नदाता किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, खेती की लागत कम हो और सिंचाई सहित सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हों, इसके लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सर्किट हाउस में श्रद्धेय मनहरण लाल पाण्डेय की जयंती के अवसर पर आयोजित 'उत्कृष्ट कृषक रत्न सम्मान समारोह' को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की 80 प्रतिशत जनता प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से कृषि कार्य से जुड़ी हुई है। इसलिए किसानों की खुशहाली से ही गांव और प्रदेश की खुशहाली का मार्ग प्रशस्त होगा। हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक



लाभकारी बनाने के संकल्प के साथ लगातार कार्य कर रही है।

श्री साय ने प्रदेशभर से आए प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करते हुए कहा कि हमारे किसान परंपरागत खेती के साथ नई तकनीक और नवाचारों को अपनाकर कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। ऐसे किसानों का सम्मान अन्य किसानों को भी बेहतर और उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खेती की समृद्धि के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। राज्य सरकार

इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। पिछले दो वर्षों में प्रदेश में लगभग 10 हजार करोड़ रुपए की नई सिंचाई परियोजनाओं की शुरुआत की गई है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश की 1,500 पुरानी सिंचाई परियोजनाओं के जीर्णोद्धार के लिए लगभग 2,800 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इन परियोजनाओं का जीर्णोद्धार पूरा होने के बाद प्रदेश के सिंचित रकबे में होगी। इससे बड़ी संख्या में किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधा मिलेगी और खेती की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंद्रावती नदी पर मटना और देऊरगांव परियोजनाओं सहित अनेक नई सिंचाई परियोजनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि सिंचाई सुविधाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों और खेतों तक पहुंचे तथा वर्षा पर खेती की निर्भरता कम हो।

वन मंत्री केदार कश्यप ने समारोह को संबोधित करते हुए श्रद्धेय मनहरण लाल पाण्डेय के सामाजिक और सार्वजनिक जीवन में योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि श्री पाण्डेय ने अपना जीवन जनसेवा को समर्पित किया और समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वयं किसान परिवार से आते हैं और किसानों की आवश्यकताओं तथा उनकी समस्याओं को भली-भांति समझते हैं। उनके नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के हित और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है।

इस अवसर पर कर्मवीर सिंह, अखिलेश सोनी, नवीन मार्कण्डेय, राम गर्ग, आलोक चंद्र ठाकुर, हर्षिता पाण्डेय, अनुराग पाण्डेय सहित जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, श्रद्धेय मनहरण लाल पाण्डेय स्मृति संस्थान के सदस्य तथा प्रदेशभर से आए कृषक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जनसेवा को समर्पित था मनहरण लाल पाण्डेय का जीवन

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धेय मनहरण लाल पाण्डेय का पुण्य स्मरण करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि श्री पाण्डेय का संपूर्ण जीवन जनसेवा को समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि श्री पाण्डेय का खेती-किसानी और ग्रामीण जीवन से गहरा जुड़ाव था। उन्होंने विशेष रूप से सिंचाई सुविधाओं के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। वे हमारे प्रेरक और मार्गदर्शक रहे हैं। उनकी स्मृति में किसानों और समाजसेवियों को सम्मानित करने की यह पहल सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए आयोजन समिति को बधाई दी।



15 नवंबर से धान खरीदी, सुविधा के लिए 360 नए खरीदी केंद्रों की स्थापना

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस वर्ष 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ हो रही है। राज्य सरकार ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए धान खरीदी व्यवस्था को और सुगम बनाने के लिए 360 नए धान खरीदी केंद्र खोलने का निर्णय लिया है। नए केंद्र खुलने से किसानों को धान बेचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी और खरीदी केंद्रों पर दबाव भी कम होगा। इससे किसानों के समय और श्रम की बचत होगी तथा धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। छत्तीसगढ़ सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक पात्र किसान सुविधाजनक तरीके से अपनी उपज बेच सके।

किसान क्रेडिट कार्ड से किसान कल्याण मंत्रालय तक, लक्ष्य किसान की समृद्धि

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किसानों की आर्थिक जरूरतों को समझते हुए किसान क्रेडिट कार्ड की शुरुआत की थी। पहले किसानों को खेती के लिए आवश्यक पूंजी जुटाने के लिए महंगे ब्याज पर कर्ज लेना पड़ता था। किसान क्रेडिट कार्ड ने इस स्थिति में बड़ा बदलाव किया।

उन्होंने कहा कि एक समय सहकारी बैंकों से किसानों को 18 प्रतिशत तक ब्याज पर ऋण लेना पड़ता था, जबकि आज किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण की सुविधा मिल रही है। इससे खेती के लिए आवश्यक पूंजी जुटाना आसान हुआ है और किसानों पर ब्याज का बोझ कम हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान कल्याण को देश की नीतियों में सर्वोच्च प्राथमिकता मिली है।

कृषि मंत्रालय का नाम 'कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय' किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किसानों की समृद्धि सरकार की नीतियों के केंद्र में है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कृषि अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, जैविक खेती और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। कृषि क्षेत्र में नए प्रयोगों और अनुसंधान के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने के साथ खेती की लागत कम करने और किसानों की आय में वृद्धि की दिशा में कार्य हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी 140 करोड़ देशवासियों की सेवा और विकसित भारत के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

29 एकड़ में मखाने की फसल, वैज्ञानिक प्रशिक्षण से बढ़ेगी आय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य में ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और आत्मनिर्भर बनने का संकल्प अब खेती के नए क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। धमतरी जिले के तालाबों में शुरू हुई मखाना की खेती महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण की नई उम्मीद बनकर उभरी है। कभी पारंपरिक खेती और घरेलू कामकाज तक सीमित रहने वाली ग्रामीण महिलाएं अब मखाना उत्पादन, संग्रहण और प्रसंस्करण के जरिए अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। जिले के ग्राम छाती और डांडेसरा में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा 29 एकड़ में उत्पादित मखाना का संग्रहण शुरू होना इसी बदलाव की महत्वपूर्ण कड़ी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में कृषि विविधीकरण और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के प्रयासों के बीच धमतरी जिले में मखाना की खेती को नया विस्तार मिल रहा है। केंद्र सरकार की सेंट्रल सेक्टर स्कीम फॉर डेवलपमेंट ऑफ मखाना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में जिले को 165 एकड़ में मखाना उत्पादन का लक्ष्य मिला था। इसके विरुद्ध जिला प्रशासन और उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में 105 एकड़



क्षेत्र में खेती शुरू की गई है। ग्राम राखी, छाती, डांडेसरा, पीपरछेड़ी और नगरी विकासखंड के सांकरा में मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

महिलाओं की मेहनत से तालाबों में तैयार हो रही समृद्धि की नई फसल

ग्राम छाती और डांडेसरा की शैलपुत्री एवं नई किरण महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य इस पहल से जुड़कर आजीविका के नए अवसर तलाश रही हैं। तालाबों में तैयार मखाना की फसल का संग्रहण शुरू होने से

महिलाओं में उत्साह है। उन्हें उम्मीद है कि उत्पादन के साथ प्रसंस्करण और बाजार की सुविधाएं मिलने से यह खेती उनकी नियमित आमदनी का बेहतर जरिया बन सकेगी। महिलाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के लिए 26 अक्टूबर 2026 को मखाना संग्रहण की शुरुआत के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मखाना की खेती में उत्पादन के साथ उसकी सही कटाई, सफाई और प्रसंस्करण भी महत्वपूर्ण है। तालाबों से मखाना के बीज निकालने की प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी होती

है। पहली कटाई को लहसर कहा जाता है, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत बीज निकाले जाते हैं। इसके बाद मरकट और कर्कट चरणों में शेष बीजों का संग्रहण किया जाता है। संग्रहित बीजों को साफ कर धूप में सुखाया जाता है। इसके बाद निर्धारित तकनीक से भुनाई और बीजों को फोड़ने की प्रक्रिया पूरी की जाती है, जिससे सफेद और कुरकुरा मखाना तैयार होता है। इसे लावा कहा जाता है। उचित प्रसंस्करण से उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने और बाजार में बेहतर मूल्य प्राप्त करने की संभावनाएं बढ़ती हैं।

उप संचालक उद्यानिकी ने बताया कि महिला स्व-सहायता समूहों को कृषि विज्ञान केंद्र, धमतरी में मखाना के कटाई-पश्चात प्रबंधन का वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे महिलाएं उत्पादन के साथ प्रसंस्करण और गुणवत्ता प्रबंधन की तकनीक सीख सकेंगी तथा मखाना की स्वरोजगार के रूप में विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ेंगी।

कलेक्टर धमतरी ने कहा कि जिले में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए किसानों की आय बढ़ाने और महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मखाना की खेती इस दिशा में एक अच्छा विकल्प बन सकती है।



कलश यात्रा के साथ मावली माता की विदाई, बस्तर दशहरा का भव्य समापन

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के 75 दिवसीय विशाल धार्मिक अनुष्ठानों का विधिवत समापन मंगलवार को माता मावली की डोली और मां दंतेश्वरी के छत्र की ससम्मान विदाई के साथ हुआ। राजमहल परिसर स्थित ऐतिहासिक मां दंतेश्वरी मंदिर में परंपरागत विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा-अर्चना संपन्न की गई। इसके उपरांत पुलिस ने माता को सलामी दी। विदाई के इस पावन और भावुक क्षण में सिर पर कलश धारण किए महिलाओं ने मंगल गीतों के साथ माता को अत्यंत आत्मीय विदाई दी, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा।

माता की इस ऐतिहासिक विदाई यात्रा के लिए दंतेश्वरी मंदिर परिसर और विदाई मार्ग को

लगभग डेढ़ किलो गंदे, गुलाब और बासंती फूलों की सुंदर पंखुड़ियों से सजाया गया था। डोली के प्रस्थान के समय उपस्थित जनसमुदाय और श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच माता पर गुलाब की पंखुड़ियों की पुष्पवर्षा कर आस्था के साथ विदा किया। इस धार्मिक विधान में बेल और सागौन की लकड़ी से निर्मित करीब 15 साल पुरानी डोली आकर्षण का मुख्य केंद्र रही, जिसमें करीब चार किलो चांदी, दोनों ओर चांदी की प्रतिमाएं और 45 चांदी के गुब्बे जड़े हुए हैं।

परंपरा अनुसार बस्तर राजपरिवार के सदस्य कमलचंद भंडवदे और श्रद्धालुओं ने माता की करीब 20 किलो वजनी डोली को कंधों पर उठाकर जिया डेरा तक पहुंचाया, जिसके बाद डोली और छत्र को दंतेश्वरी के लिए विदा किया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर पहुंचे दर्शनार्थियों को 76 किलो बूंदी

और लड्डू से तैयार किए गए 5 हजार से अधिक पैकेटों में प्रसाद का वितरण किया गया। साथ ही माता को विदाई रस्म के तहत 25 किलो चावल, 11 किलो दाल, घी, मसाले और श्रृंगार सामग्री भेंट स्वरूप अर्पित की गई।

अनुष्ठानों के दौरान अनेक देवी-देवताओं की उपस्थिति में संपन्न हुए उक्त आयोजन के साथ ही बस्तर के इस अनूठे पारंपरिक पर्व का औपचारिक समापन हो गया। इस मौके पर राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा, सांसद बस्तर एवं अध्यक्ष बस्तर दशहरा समिति महेश कश्यप, उपाध्यक्ष बस्तर दशहरा समिति बलराम मांझी सहित मांझी-चालकी, मेंबर-मेंबरीन, नाईक-पाईक और अन्य सदस्य समेत कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह तथा जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।



छत्तीसगढ़ के 14 रियासतों का गौरवशाली इतिहास एक छत के नीचे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत, राजसी परंपराओं और समृद्ध संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। राज्य की 14 पूर्ववर्ती देशी रियासतों के इतिहास और उनसे जुड़ी दुर्लभ धरोहरों को एक ही स्थान पर प्रदर्शित करने के लिए आज रायपुर के उद्योग भवन स्थित पर्यटन मंडल के सभाकक्ष में रियासतों के वंशजों के साथ 'रियासत वीथिका' स्थापित करने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से कार्ययोजना की जानकारी देने के साथ राज परिवारों के वंशजों से सुझाव लिए गए। इस अनूठी पहल से प्रदेश की ऐतिहासिक पहचान को नई मजबूती मिलने के साथ ही विद्यार्थियों, शोधार्थियों और पर्यटकों को छत्तीसगढ़ के राजसी इतिहास और सांस्कृतिक वैभव को करीब से जानने का अवसर मिलेगा।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने कहा कि प्रदेश का इतिहास पर्यटन, संस्कृति, धर्मस्थ और पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध रहा है। यहां की रियासतों ने छत्तीसगढ़ को देश में विशिष्ट पहचान दिलाई है। राज्य सरकार ऐतिहासिक महलों को हेरिटेज पर्यटन और होमस्टे के रूप में



विकसित करने की दिशा में भी गंभीरता से कार्य कर रही है। इससे ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के साथ पर्यटन की नई संभावनाएं विकसित होंगी।

प्रस्तावित रियासत वीथिका में विभिन्न रियासतों की राजदरबार परंपराओं, राजचिह्नों, पारंपरिक वेशभूषा, अस्त्र-शस्त्र, प्राचीन सिक्कों, मुहरों, ऐतिहासिक दस्तावेजों तथा तीज-त्योहारों और रीति-रिवाजों को प्रदर्शित करने की योजना है। वर्तमान में इन रियासतों से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण धरोहरें राजमहलों, राज परिवारों के निजी संग्रहों, स्थानीय संग्रहालयों और अभिलेखागारों में

संरक्षित हैं। इन्हें सुव्यवस्थित ढंग से एक मंच पर प्रस्तुत कर छत्तीसगढ़ के इतिहास, कला और संस्कृति की समग्र झलक मिलेगी। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने विभिन्न रियासतों के वंशजों और प्रतिनिधियों को पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तावित रियासत वीथिका की कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य रियासतों की विशिष्ट ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण, दस्तावेजीकरण और प्रभावी प्रदर्शन सुनिश्चित करना है।

शोध के साथ सांस्कृतिक पहचान को भी मिलेगी मजबूती

रियासत वीथिका की स्थापना से छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक विरासत को व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है। यह गैलरी विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए ज्ञान का महत्वपूर्ण केंद्र बनने के साथ देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन सकेगी। राज परिवारों के सहयोग से विकसित होने वाली यह पहल प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित रखने और भावी पीढ़ियों को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बैठक में रायगढ़ राजघराने से राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह, सरगुजा से आदित्येश्वर शरण सिंहदेव एवं श्रीमती कुमुदिनी देवी, सारंगढ़ से डॉ. परिवेश मिश्र एवं सुश्री कुलिश देवी, कवर्वा से योगेश्वर राज सिंह एवं मैकलेश्वर सिंह, छुईखदान से आर्यवंत सिंह एवं सुश्री शताक्षी सिंह ने सहभागिता की। अधिक प्रभावी और आकर्षक बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।